

डीएम अविनाश सिंह की मेहनत लाई रंग

■ सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में विकास कार्यों में बरेली ने किया टॉप

■ मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी की गई मई 2025 माह की रैंकिंग में जनपद ने विकास कार्यों में प्रदेश में प्रथम रैंक की प्राप्ति



शाह टाइम्स ब्लॉग

बरेली प्रदेश में विकास कार्यों का मूल्यांकन, अनुभव और समीक्षा हुई गयी। सीएम डैशबोर्ड पर इंटीग्रेटेड विभागों को सेवाओं, योजनाओं, परियोजनाओं एवं विविध स्तरों के कार्यक्रमों में 12वां स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में 10वें रैंक की छाती पर राजस्व कार्यक्रमों में 09वें स्थान पर तथा राजस्व कार्यक्रमों में 21वें स्थान पर विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में जनपद का प्रशंसनीय 10वें स्थान प्राप्त हुआ था।

डीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर माह मई 2025 की जारी की गई रैंकिंग में जनपद बरेली को विकास कार्यक्रमों में प्रदेश में प्रथम रैंक की प्राप्ति हुई।

सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर माह मई 2025 की जारी की गई रैंकिंग में जनपद बरेली को विकास कार्यक्रमों में समीक्षा में दिये गये निर्देशों के

परिणामस्तरहूप जनपद के कार्य प्रदर्शन में उत्तीर्ण रुद्धि हो रही है।

सीएम डैशबोर्ड पर माह अप्रैल 2025 की जारी की गई रैंकिंग में जनपद ने विकास कार्यों में प्रदेश में 11वां स्थान पर तथा राजस्व कार्यक्रमों में 21वें स्थान पर विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में जनपद का प्रशंसनीय 14वें स्थान प्राप्त हुआ था।

आज मई माह की जारी रैंकिंग में जनपद ने विकास कार्यों में 10वें रैंक की छाती पर विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में 09वें स्थान पर तथा आपरांत चौथी अन्तर्गत रैंकिंग में 10वें रैंक की छाती पर विकास कार्यक्रमों में 08वें स्थान पर तथा राजस्व कार्यक्रमों में 12वें स्थान प्राप्त हुआ है।

जबकि विवरण माह की रैंकिंग में जनपद 1वें रैंक पर था, 10वें रैंक की छाती पर विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में जनपद का प्रशंसनीय 14वें स्थान प्राप्त हुआ था।

डीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर माह मई 2025 की जारी की गई रैंकिंग में जनपद बरेली को विकास कार्यक्रमों के प्रशंसनीय समीक्षा में दिये गये निर्देशों के

भीषण गर्मी में गहराया बिजली संकट

शाह टाइम्स संचादाता बरेली लोकल फार्मों में बिजली संकट रहा। भीषण गर्मी में लोग परेशान होते रहे। दिनभर घर मपुर बाग स्थित हल्के डेस्क्स को फैल घनना नाता रहा। तामाजों ने जुड़ी शिकायतें दर्ज कराई।

बता के समावार तो आठ बजे कुतुखाना सब स्टेशन पर तथा फैलाएं दो आपूर्वी प्रभावी रैंकिंग में 10वें रैंक की छाती पर विकास कार्यक्रमों में 09वें स्थान पर तथा राजस्व कार्यक्रमों में 12वें स्थान पर तथा विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में जनपद का प्रशंसनीय 14वें स्थान प्राप्त हुआ था।

जबकि विवरण माह की रैंकिंग में जनपद ने विकास कार्यों में 10वें रैंक की छाती पर विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में 09वें स्थान पर तथा आपरांत चौथी अन्तर्गत रैंकिंग में 10वें रैंक की छाती पर विकास कार्यक्रमों में 08वें स्थान पर तथा राजस्व कार्यक्रमों में 12वें स्थान प्राप्त हुआ है।

जबकि विवरण माह की रैंकिंग में जनपद 1वें रैंक पर था, 10वें रैंक की छाती पर विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में जनपद का प्रशंसनीय 14वें स्थान प्राप्त हुआ है।

डीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर माह मई 2025 की जारी की गई रैंकिंग में जनपद बरेली को विकास कार्यक्रमों के प्रशंसनीय समीक्षा में दिये गये निर्देशों के

बाइक में ट्रैक ने मारी साइड, पत्नी की मौत

■ पति और सात वर्षीय पुत्र की हालत गंभीर

■ बटे की गोद भराई करने जा रहे दंपति



शाह टाइम्स ब्लॉग

बरेली में एक बाइक ने एक बटे की गोद भराई करने जा रहे दंपति को खाली खाली खो गया। बता के सामान बरेली में एक स्थान पर तथा विजित रैंकिंग में 10वें रैंक की छाती पर विकास कार्यक्रमों में 09वें स्थान पर तथा राजस्व कार्यक्रमों में 12वें स्थान प्राप्त हुआ है।

डीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर माह मई 2025 की जारी की गई रैंकिंग में जनपद बरेली को विकास कार्यक्रमों के प्रशंसनीय समीक्षा में दिये गये निर्देशों के



जहां डॉक्टरों ने महिला को भूत घोषित कर दिया, वहां पर भाइक से अपनी पत्नी सीता (45) और सात वर्षीय पुत्र रोहिंदु के गम दरकानी के पास पहुंचे। फरीदपुर के गम दरकानी के पास पहुंचे। फरीदपुर क्षेत्र में बाइक पर ट्रिपल डाइविंग करना दंपति को बरेली बल्लब, आवास, विकास कालाजी, कोहड़ीपुर इलाके में फैस सही आनंद विवरण माह की रैंकिंग में 10वें रैंक पर था, 10वें रैंक की छाती पर विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में 09वें स्थान प्राप्त हुआ है।

डीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर माह मई 2025 की जारी की गई रैंकिंग में जनपद बरेली को विकास कार्यक्रमों के प्रशंसनीय समीक्षा में दिये गये निर्देशों के

एक नजर

गंदे शब्दों को बोलने का विरोध करने पर युवती और उसके भाई को पीटा

शाह टाइम्स संचादाता

बहेढ़ी। एक शोहदा संघर्ष युवती को गंदे शब्द बोलकर परेशान करता है। विरोध करने पर युवती ने साथ मारपीट की। पुलिस ने युवती के भाई को रुकावा किया।

नगर के एक मोहल्ले के एक युवक अनीस ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि शब्द बोलने के बाद चलते गंदे शब्द बोलकर परेशान करता है। जब अनीस ने इसका विरोध किया तो शब्द बोलने के बाद चलते गंदे शब्द की विवादी वाली नारे ने उसे अपनी बात के बारे में बोली।

अनीस ने अपनी शिकायत में बताया है कि शब्द बोलने के बाद चलते गंदे शब्द की विवादी वाली नारे ने उसे अपनी बात के बारे में बोली।

पीटिंग परिवार ने बताया कि युवती को खतरा महसूस कर रहे हैं। पीटिंग ने पुलिस से सुक्षम को मारा।

समरपाल के बाद अनीस ने अपनी बात के बारे में बोली।

मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संचादाता



शाह टाइम्स संचादाता

बहेढ़ी। एक शोहदा संघर्ष युवती को गंदे शब्द बोलकर परेशान करता है। विरोध करने पर युवती ने साथ मारपीट की। पुलिस ने युवती के भाई को रुकावा किया।

नगर के एक मोहल्ले के एक युवक अनीस ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि शब्द बोलने के बाद चलते गंदे शब्द बोलकर परेशान करता है। जब अनीस ने इसका विरोध किया तो शब्द बोलने के बाद चलते गंदे शब्द की विवादी वाली नारे ने उसे अपनी बात के बारे में बोली।

पीटिंग परिवार ने बताया कि युवती को खतरा महसूस कर रहे हैं। पीटिंग ने पुलिस से सुक्षम को मारा।

समरपाल के बाद अनीस ने अपनी बात के बारे में बोली।

मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संचादाता

बहेढ़ी। एक शोहदा संघर्ष युवती को गंदे शब्द बोलकर परेशान करता है। विरोध करने पर युवती ने साथ मारपीट की। पुलिस ने युवती के भाई को रुकावा किया। इसकी विवादी वाली नारे ने उसे अपनी बात के बारे में बोली।

पीटिंग परिवार ने बताया कि युवती को खतरा महसूस कर रहे हैं। पीटिंग ने पुलिस से सुक्षम को मारा।

समरपाल के बाद अनीस ने अपनी बात के बारे में बोली।

मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संचादाता

बहेढ़ी। एक शोहदा संघर्ष युवती को गंदे शब्द बोलकर परेशान करता है। विरोध करने पर युवती ने साथ मारपीट की। पुलिस ने युवती के भाई को रुकावा किया। इसकी विवादी वाली नारे ने उसे अपनी बात के बारे में बोली।

पीटिंग परिवार ने बताया कि युवती को खतरा महसूस कर रहे हैं। पीटिंग ने पुलिस से सुक्षम को मारा।

समरपाल के बाद अनीस ने अपनी बात के बारे में बोली।

मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संचादाता

बहेढ़ी। एक शोहदा संघर्ष युवती क

कूटनीति कितनी कामयाब

ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख से विश्व समुदाय अवगत कराने गया ऑल पार्टी डेलिगेशन का आविधारी युप भी मंगलवार को भारत लौट आया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में यह डेलिगेशन 5 देशों - अमेरिका, पानामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया गया था। शशि थरूर ने दिल्ली एयरपोर्ट पर मीडिया को कहा कि जिन पांच देशों में हम गए थे, वहाँ हमारा स्वागत अच्छे से हुआ। हमें उन देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति और दूसरे सीनियर लोडर्स से हाई लेवल मीटिंग की। उन लोगों ने समझा कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर क्यों किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार ने राजनीतिक संदेश पहुंचाने की जिम्मेदारी जिन सात प्रतिनिधिमंडलों, जिनमें ज्यादातर सांसद और कुछ पूर्व राजनीतिक थे को दी थी, उन्होंने अपनी यात्राएं पूरी कर ली हैं। पहलगाम आतंकी हमले और पाकिस्तान से इसके तार जुड़े होने से उपजे आकाश पर देश का नजरिया, पाकिस्तान के आतंकी बुनियाएँ ढांचे पर आतंकी यथा हमलों की स्टीकी प्रकृति और आतंकी हमलों को लिए सरकार द्वारा अनानन्द एवं रुख की जानकारी देने के लिए 59 सदस्यों ने 32 देशों का दौरा किया। यह संदेश महज विदेशी सरकारों के लिए नहीं था, बल्कि कानून-निर्माताओं, विदेशी मीडिया और आम जनता के लिए भी था, खासकर उन देशों में जहाँ नई दिल्ली को यह महसूस हो कि उसे अपेक्षित समर्थन नहीं मिला है। जिन देशों का दौरा किया गया, उनमें से कई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य हैं और वे देश भी शामिल थे, जो निर्वाचित गैर-शास्त्री सदस्य हैं या अगले साल बनेंगे। वह अहम है, क्योंकि भारत को उस बहत राजनीतिक झटके का सम्पादन करना पड़ा जब पाकिस्तान, जो साल 2025-26 के लिए निर्वाचित यूएनएससी सदस्य है, दरेजिस्ट्रेस फ्रंट (टीआरएफ) का जिक्र हटाने के लिए यूएनएससी के बहाने में संशोधन कराने में सफल रहा। टीआरएफ ने ही पहलगाम हमले की जिम्मेदार ठहराए जाने का भारत ज्यादा मुश्किल बनाएगा, ताहे वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा उठाए गए नकलची करने से भी मुकाबला करना पड़ा।

सशत्र बलों की बहादुरी को सलाम

पहलगाम आतंकी हमला केंद्र की लाप. रवाही को नीतीजा था, हमले वालों जगह पर सुरक्षार्थी क्यों नदारद थे, भाजपा सशत्र बलों की वीरता का यानी, तिक्कण करने की कोशिश कर रही है, भाजपा सरकार को चले जाना चाहिए, क्योंकि वह देश के लोगों को सुखा देने में नाकाम है, पूरी भौति के बारे में विज्ञान देने में बिजी है, आतंकवाद का कोई धर्म, जाति या पंथ नहीं होता, आतंकवादी को सबक सिखाने की जरूरत थी, हम सशत्र बलों की बहादुरी को सलाम करते हैं, पाक पर किया की गई एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर पीओके वापस लेने का अक अच्छा मौका था।



-ममता बनर्जी

नि-

श्चल प्रेम बसत जिह दद्य, विना स्वार्थ सेवारत रहतीं, ज्याति जातीं संस्कारों की, जगती उत्तरों माँ ही कहतीं। मरी स्वर्विच ये पूर्वित्या माँ के स्वरूप को उद्घासित करती हैं। माँ जीवन - प्रसारिती होने के साथ साथ संतानि के पालन-पोषण और संस्कारों के बीजारोपण के दीवालियों का सम्यक निर्वहन करती है। जिनी के साथ मातृभूमि और नदियों को भी हमने माँ कहा है। नदियों जल का स्तोत्र है। जल जीवन का आधार है, यानव शरीर में 60 से 70 प्रतिशत जल होता है और जल के बिना मानवजीवन की कल्पना ही ही जा सकती, क्योंकि मानव को पीने के साथ ही निवारकर्मी होने तक जल की निरात आवश्यकता ही है। साथ ही जल के बिना मानवजीवन की कल्पना ही ही जा सकती, क्योंकि मानव को पीने के साथ ही निवारकर्मी होने तक जल की निरात आवश्यकता ही है। बिना प्राणवायु के विद्युत्यांग का प्राकृतिक रूप से सौन्दर्य साधन है। नदियों जल संरक्षण का प्राकृतिक साधन में स्वार्थपरता, धन लोतुष्पति व पौत्रिकाता की अंधी दौड़ में मानव जिस डारी पर बैठा है, वह बिना उसके परिणाम को जाने कोशन काल में अनुभव किया है। इस प्रकार नदियों का विकास नदियों के किनारे हुआ है, जिसमें संधु घाटी की स्थिता नाम परिशेष रूप से उल्लेखनीय है।

विलुप्त नदियों में फिर से बहाव की आस

के पालन-पोषण व धनार्जन का आधार है। इसके साथ ही पशु-पश्चि व जलीय जीव-जूतों को भोजन की व्यवस्था भी धार्मिक कृत्यों से हाती रहती है। नदियों जल संरक्षण का प्राकृतिक रूप से सौन्दर्य साधन है। नदियों जल संरक्षण का प्राकृतिक रूप से उल्लेखनीय है। अनेक संघर्षों का विनियन किया है। अनेक संघर्षों के कारण जल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकास नदियों के पालन-पोषण में और सम्प्रदान के किनारे बसे हुए हैं, क्योंकि नदियों के पालन-पोषण में अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन

